

खुले खेत से आगे: संरक्षित खेती से आय बढ़ाना

चेतन डेढिया

मैनेजिंग पार्टनर, सीवीडी सॉल्यूशंस और जेजे ओवरसीज़, मुंबई

पिछले तीस सालों के हाई-टेक खेती के व्यावहारिक अनुभव में मैंने एक बात बार-बार देखी है: खुले खेत की खेती में बहुत कुछ किस्मत पर निर्भर रहता है। अच्छा मौसम हो तो फायदा होता है, लेकिन बेमौसम बारिश, लू, या कीट-हमला महीनों की मेहनत बर्बाद कर सकता है। इसीलिए अब अधिक किसान संरक्षित खेती की ओर रुख कर रहे हैं — जोखिम कम करने और आमदनी बढ़ाने के एक व्यावहारिक तरीके के रूप में।

संरक्षित खेती उन किसानों के लिए फायदेमंद है जो एक सुनियोजित और अधिक मूल्य वाले खेती मॉडल की ओर बढ़ना चाहते हैं — यह फसल की एकरूपता, गुणवत्ता और बाजार में सही समय पर पहुँचने में मदद करती है, बजाय इसके कि आमदनी पूरी तरह मौसमी भाव उतार-चढ़ाव पर निर्भर रहे।

अधिक किसान संरक्षित खेती की ओर क्यों बढ़ रहे हैं

भारत में, जहाँ खेत छोटे होते जा रहे हैं और मौसम अनिश्चित होता जा रहा है, खुले खेत की खेती को लाभकारी रूप से चलाना कठिन होता जा रहा है। संरक्षित खेती किसानों को बारिश, गर्मी, कीड़ों और फसल की गुणवत्ता पर अधिक नियंत्रण देती है — क्योंकि उगाने की परिस्थितियाँ बाहरी अनिश्चितताओं पर कम निर्भर होती हैं।

जब तापमान, नमी, सिंचाई और फसल सुरक्षा को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जाता है, तो उपज और गुणवत्ता दोनों आमतौर पर बेहतर



होती हैं। अधिक मूल्य वाली फसलों में सबसे बड़ा फायदा अक्सर केवल अधिक उत्पादन नहीं, बल्कि एक समान और नियमित उत्पादन होता है।

सही संरक्षित खेती प्रणाली का चुनाव
संरक्षित खेती कोई एक तकनीक नहीं है। सही संरचना का चुनाव फसल, जलवायु, बजट, प्रबंधन क्षमता और बाजार योजना पर निर्भर करता है। सबसे अच्छा विकल्प वही है जो आपके उद्देश्य के अनुकूल हो — न कि केवल सबसे उन्नत तकनीक।

1. शेड नेट हाउस

कई किसानों के लिए शेड नेट हाउस एक

समझदारी भरा शुरुआती कदम है। यह अपेक्षाकृत किफायती है और उन जगहों पर उपयोगी है जहाँ फसलें तेज धूप, गर्मी, या कुछ उड़ने वाले कीटों से प्रभावित होती हैं।

- आय पर प्रभाव: कम पूंजी लागत और जल्दी रिटर्न — खासकर उन फसलों के लिए जो अपने सामान्य मौसम से बाहर बेहतर दाम पाती हैं।

2. प्राकृतिक रूप से हवादार पॉलीहाउस (NVPH)

प्राकृतिक रूप से हवादार पॉलीहाउस भारत में व्यापक रूप से उपयोग किए जाते हैं, क्योंकि ये नेट हाउस की तुलना में अधिक सुरक्षा देते हैं और साथ ही कई व्यावसायिक किसानों के लिए व्यावहारिक भी रहते हैं। खीरा, रंगीन शिमला मिर्च और अधिकांश व्यावसायिक रूप से उगाए जाने वाले फूलों जैसी फसलों के लिए ये समय-निर्धारण और बाजार में सही समय पर पहुँचने में मदद कर सकते हैं।

- आय पर प्रभाव: सही समय पर बाजार में पहुँचने से किसान उस समय का फायदा उठा सकते हैं जब खुले खेत की आपूर्ति कम हो और दाम अधिक हों।

3. जलवायु-नियंत्रित ग्रीनहाउस

जलवायु-नियंत्रित ग्रीनहाउस उन फसलों के लिए उपयुक्त हैं जिनका मूल्य अधिक निवेश को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त हो। ये पर्यावरण पर कड़ा नियंत्रण रखने की सुविधा देते हैं और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादन में सहायक हो सकते हैं, लेकिन इनके लिए मजबूत प्रबंधन और तकनीकी निगरानी भी जरूरी होती है।

- आय पर प्रभाव: उच्च गुणवत्ता का उत्पादन

आधुनिक खुदरा बाजार, होटल-रेस्तराँ उद्योग और प्रीमियम संस्थागत खरीदारों को आपूर्ति करने में सहायक हो सकता है।

4. हाइड्रोपोनिक्स और प्रिसिजन ऑटोमेशन
जब संरक्षित संरचनाओं के साथ हाइड्रोपोनिक्स, फर्टिगेशन और प्रिसिजन सिंचाई को मिलाया जाता है, तो पानी के उपयोग की दक्षता बेहतर होती है, मिट्टी जनित बीमारियों की समस्या कम होती है और उत्पादन अधिक अनुमानित हो जाता है। ये प्रणालियाँ वहाँ सबसे अच्छा काम करती हैं जहाँ आर्थिक स्थिति और प्रबंधन कौशल दोनों मजबूत हों।

- आय पर प्रभाव: बेहतर जगह का उपयोग, बीमारियों का कम दबाव और अधिक अनुमानित उत्पादन — ये सब मिलकर प्रति वर्ग मीटर आमदनी बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

5. संरक्षित बागवानी

फल उगाने वाले किसान भी एंटी-हेल नेट, शेड नेट और रेन शेल्टर से लाभ उठा सकते हैं— खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ मौसम की अत्यधिक मार अक्सर पड़ती है। कई बागों में ये संरचनाएँ अब एक वैकल्पिक सुविधा नहीं, बल्कि जोखिम प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण साधन बनती जा रही हैं। ये फलों को सीधे नुकसान से बचाती हैं, कुछ फसलों में धूप से जलने और सतह पर दरार पड़ने जैसी समस्याओं को कम करती हैं, और ऐसी उपज की कटाई की संभावना बढ़ाती हैं जो बाजार की दिखावट, एकरूपता और बिक्री योग्य गुणवत्ता की अपेक्षाओं पर खरी उतरे।

- आय पर प्रभाव: सुरक्षात्मक नेट ओलावृष्टि, गर्मी, पक्षियों और चमगादड़ों से होने वाले नुकसान को कम करते हैं — जिससे किसान फलों की गुणवत्ता बनाए रख सकते हैं और अचानक फसल नुकसान से बच सकते हैं।

संरक्षित खेती से खेत की आय कैसे बढ़ती है
आय का फायदा आमतौर पर तीन चीजों के एक साथ काम करने से मिलता है: बेहतर समय-निर्धारण, बेहतर गुणवत्ता और कम उत्पादन जोखिम।

- ऑफ-सीजन लाभ: संरक्षित खेती फसल कटाई को उस समय के लिए तैयार करने में मदद करती है जब बाजार में आपूर्ति कम हो



और दाम बेहतर हों।

- गुणवत्ता प्रीमियम: बेहतर दिखने वाली और एकसमान उपज शहरी और संगठित खरीदारों से अच्छे दाम दिला सकती है।

- जोखिम में कमी: संरचनाएँ मौसमी झटकों से होने वाले नुकसान को कम करती हैं और सालाना नकद प्रवाह को स्थिर रखने में मदद करती हैं।

निवेश से पहले व्यावहारिक सलाह

सरकारी सहायता शुरुआती निवेश के बोझ को कम कर सकती है, लेकिन सब्सिडी को सहायता के रूप में देखा जाना चाहिए — न कि परियोजना बनाने का मुख्य कारण। एक संरक्षित संरचना को सब्सिडी मिलने से पहले भी व्यावसायिक दृष्टि से समझदारी भरी होनी चाहिए।

मेरी सबसे महत्वपूर्ण सलाह सरल है: पहले सीखें, फिर निवेश करें। तकनीक, परिचालन लागत, श्रम की जरूरत, फसल चक्र, कीट जोखिम और बाजार को अच्छी तरह समझें — उसके बाद ही प्रतिबद्धता लें। कई परियोजनाएँ इसलिए नहीं विफल होतीं कि संरचना गलत थी, बल्कि इसलिए कि योजना कमजोर थी।

बाजार की योजना पहले से बनानी चाहिए। संरक्षित खेती अक्सर अधिक एकसमान और

जल्दी खराब होने वाली फसल पैदा करती है, इसलिए केवल स्थानीय मंडी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं हो सकता। यदि संभव हो तो पहले से खरीदार तैयार करें और उत्पादन को वास्तविक माँग के अनुसार तय करें।

आगे की राह

हाई-टेक खेती किसानों से केवल उत्पादन से परे सोचने की माँग करती है। इसके लिए लागत, गुणवत्ता, समय-निर्धारण और बिक्री में भी अनुशासन जरूरी है। संरक्षित खेती एक मजबूत साधन हो सकती है, लेकिन यह तभी काम करती है जब इसके पीछे कौशल, योजना और धैर्य हो।

उन किसानों के लिए जो विस्तार से पहले सीखने और बाजार से जुड़ाव बनाने के लिए तैयार हैं, संरक्षित खेती खेती को खुले खेत पर पूरी तरह निर्भर रहने की तुलना में अधिक स्थिर, अधिक लचीला और अधिक फलदायी बना सकती है।

